



- Notes : 1. All question are compulsory.
2. All question are equal mark.

1. Critically Examine the changing role of Prime-Minister of India in the era of coalition government. **16**

OR

Indian Federalism is in Favour of more Powers to central Government" comment.

2. To what extent the constitution of India brought about Socio-Economic development in the society as an instrument of social change. **16**

OR

Examine the thinking and traditions of Indian Democracy in sine ancient.

3. Write answer the following question **any two**. **16**

- i) Examine the Role of pressure Groups in India in the Formulation of policy.
- ii) "Due to Principle Less Politics the party system in India is cracking down" Comment.
- iii) Explain the Role of Election commission at state Level.
- iv) Discuss the Nature of social movement in India.

4. Write answer the following question **any two**. **16**

- i) Write the causes of Failure of poverty alleviation programme.
- ii) "Language" – a Problem in Indian Politics.
- iii) "Castism" – a Problem in Indian Politics.
- iv) "Demand of Separation state" comment.

5. Write notes. **16**

- i) Religious Minorityism.
- ii) Characteristics of the ancient Republic.
- iii) Parliamentary Sovereignty.
- iv) Factionalism in political parties.

- सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविने अनिवार्य आहे.
2. सर्व प्रश्नांला समान गूण आहेत.

1. युती शासनाच्या यूगात पंतप्रधानाच्या बदलत्या भुमिकेचे टिकात्मक परिक्षण करा. 16
- किंवा**
- “भारतीय संघवाद अधिक केंद्राकर्षी आहे” भाष्य करा.
2. सामाजिक परिवर्तनाचे साधन म्हणून भारतीय संविधानाने कितपत सामाजिक व आर्थिक विकास घडवून आणला आहे? 16
- किंवा**
- भारतातील प्राचिन लोकशाही विचार व परंपरांचे परिक्षण करा.
3. खालील प्रश्नाचे उत्तर लिहा कोणतेही दोन. 16
- 1) धोरण निर्मितीमध्ये भारताच्या दबावगटांच्या भुमिकांचे परिक्षण करा.
 - 2) तत्वहीन राजकारणामुळे भारतातील पक्षपद्धतीला तडा जात आहे.” भाष्य करा.
 - 3) राज्यपातळीवर निवडणुक आयोगाची भुमिका स्पष्ट करा.
 - 4) भारतातील सामाजिक चळवळीचे स्वरूप विशद करा.
4. खालील प्रश्नांची उत्तरे थोडक्यात लिहा कोणतेही दोन. 16
- 1) दारिद्र्य निर्मुलन कार्यक्रमाच्या अपयशाची कारणे लिहा.
 - 2) भारतीय राजकारणातील “भाषा समस्या”
 - 3) भारतीय राजकारणातील ‘जातीयवाद’
 - 4) “स्वतंत्र घटक राज्याची मागणी” भाष्य करा.
5. टिपा लिहा. 16
- 1) धार्मीक अल्पसंख्यांक वाद.
 - 2) प्राचिन गणराज्याची वैशिष्ट्ये.
 - 3) संसदेचे सार्वभौमत्व.
 - 4) राजकीय पक्षातील गटबाजी.

- सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों को समान अंक है।

1. गठबंधन शासन युग में भारत के प्रधान मंत्री की बदलती भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 16
- अथवा**
- “भारत का संघवाद अधिक केन्द्राकर्षी है।” भाष्य कीजिये।
2. सामाजिक परिवर्तन का साधन के रूप में भारत के संविधान ने कहाँ तक सामाजीक एवं आर्थिक विकास किया है। 16
- अथवा**
- भारत के प्राचीनतम लोकतांत्रिक विचार एवं परंपराओंका परीक्षण कीजिये।
3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये **केवल दो**. 16
- 1) धोरण निर्माण में भारत की दबाव गुटों की भूमिकाओंका परीक्षण कीजिये।
 - 2) तत्वहीन राजनीति के कारण भारत की दलप्रणाली में दरार पैदा हो रही है” भाष्य कीजिये।
 - 3) राज्यस्तर पर निर्वाचन आयोग की भूमिका स्पष्ट कीजिये।
 - 4) भारत में सामाजीक आंदोलन के स्वरूप विशद कीजिये।
4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये **केवल दो**. 16
- 1) गरीबी निर्मुलन कार्यक्रम की असफलता के कारण लिखिये।
 - 2) भारत के राजनीति में “भाषा समस्या”
 - 3) भारत के राजनीति में “जातीयवाद”
 - 4) “स्वतंत्र घटक राज्य की मांग” भाष्य कीजिये।
5. टिप्पनियाँ लिखिये। 16
- 1) धर्म अल्पसंख्याकवाद।
 - 2) प्राचिन गणराज की विशेषताएँ।
 - 3) संसद की संप्रभुसत्ता।
 - 4) राजनितिक दलों की गुटबाजी।

munotes.in